होम / होम /
नई आज्ञा को याद रखो!

नई आज्ञा को याद रखो!

यूहन्ना 13:34
[34] “मैं तुमसे एक नई आज्ञा देता हूँ, कि आपस में प्रेम करो। जैसा मैंने तुमसे प्रेम किया है, वैसे ही तुम भी एक-दूसरे से प्रेम करो।”

शुरुआत में जब मैं इस पद पर ध्यान दे रहा था, मैंने अपने आप से पूछा कि जब यीशु कहते हैं “नई आज्ञा…”
तो यह नई आज्ञा क्या है?
क्योंकि वह कहते हैं “एक-दूसरे से प्रेम करो।” क्या प्रेम करना वाकई नई आज्ञा है?
क्या यह पुराने समय से नहीं था? क्या यह ज्ञात नहीं था?

तरीकी से यह पहले भी सिखाया गया था:
लैव्यव्यवस्था 19:18
[18] “परिशोध न करना और अपने लोगों के पुत्रों के प्रति

क्रोध न रखना, पर अपने पड़ोसी से वैसे ही प्रेम करना जैसे
अपनी आत्मा से करते हो। मैं यहोवा हूँ।”

प्रेम करना पहले भी तोराह में सिखाया गया था… लेकिन जब मसीह कहते हैं कि यह नई आज्ञा है, तो इसका मतलब वह प्रेम है जो वह स्वयं दिखाते हैं — और यह पहले की सामान्य समझ से अलग है। “इसलिए उन्होंने कहा… जैसा मैंने तुमसे प्रेम किया है, वैसे ही तुम भी एक-दूसरे से प्रेम करो।”
यानि प्रेम ऐसा हो जो मेरे प्रेम के अनुसार हो, किसी और प्रेम के अनुसार नहीं।

यीशु का प्रेम कैसा था?

पूर्ण प्रेम।
यूहन्ना 13:1
[1] “इसलिए, पास्का के त्यौहार से पहले, यीशु जानते हुए कि
उनकी घड़ी पूरी हुई है, जो वे संसार से पिता के पास जाने वाले थे, उन्होंने अपने लोगों से संसार में अत्यधिक प्रेम किया।”

पूर्ण प्रेम का मतलब है अंत तक प्रेम करना। यीशु ने हमें (जो उस पर विश्वास करते हैं) केवल कुछ समय के लिए नहीं, बल्कि अंत तक,

पूरे हृदय से प्रेम किया।
यदि इसका अर्थ है कि उन्होंने मूल्य चुकाया, जब उन्हें धोखा मिला, अस्वीकार किया गया, या घेर लिया गया… क्या मैं प्रेम करना छोड़ दूँगा? नहीं। उन्होंने सब कुछ स्वीकार किया और निर्णय लिया कि मैं उन्हें प्रेम करूंगा और अंत तक प्रेम करूंगा।

इसलिए, जब उन्हें पता था कि यहूदा उन्हें धोखा देगा और पतरस उन्हें मना करेगा, उन्होंने प्रेम करना नहीं छोड़ा। यही मसीह का नया प्रेम है — पूर्ण प्रेम।

आज प्रेम करना आसान है जब कोई अच्छा है या हमारी भलाई करता है… लेकिन जब वही व्यक्ति बाद में हमें धोखा देता है, हमें नीचा दिखाता है, हमारी सेवा की अवहेलना करता है, या हमारी तुलना में ऊँचा पद प्राप्त कर हमें हँसता है, तब हम आहत होते हैं, नफरत करते हैं और शिकायत करते हैं।
यह पूर्ण प्रेम नहीं है। यह केवल परिस्थितियों का प्रेम है।

यदि फिर भी आप सभी बातों के बावजूद प्रेम करते हैं, यही मसीह का नया प्रेम प्रकट होता है।
प्रभु चाहता है कि हम शुरुआत से अंत तक मूल्य चुकाकर प्रेम करें। यदि आप किसी से प्रेम करने का निर्णय लेते हैं, तो हमेशा प्रेम करें, बिना शर्त।

नई आज्ञा वह है जो उन लोगों से प्रेम करने के लिए कहती है जो आपको नापसंद करते हैं। पुरानी थी कि केवल जो आपको पसंद करें उन्हें प्रेम करो, और जो नहीं करते, उन्हें छोड़ दो। (मत्ती 5:43-44)
इस नए प्रेम का शिखर है कि दूसरों के लिए किसी भी कीमत का भुगतान करने के लिए तैयार रहना (यूहन्ना 15:13)।

क्या हमारे पास यह नई आज्ञा है?
2 यूहन्ना 1:5
“और अब, माता, मैं तुमसे प्रार्थना करता हूँ, कि मैं तुम्हें
नई आज्ञा नहीं लिख रहा, बल्कि जो शुरुआत से थी — कि हम आपस
में प्रेम करें।”

प्रभु आपके साथ हो।
शालोम।

Share on:
WhatsApp

Print this post